an>

Title: Need to give recognition to four-year integrated B.A., B.Ed./B.Sc., B.Ed. programme of Central University of South Bihar by National Council of Teacher Education.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) ः मैं दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया के शिक्षा विभाग के बी.ए.-बी.एड. और बी.एस.सी.-बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) में पढ़ रहे (सत्र 2014-17 तथा 2015-18) विद्यार्थियों की समस्या से संबंधित विषय के बारे में बताना चाहता हूँ।

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद इस विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम शुरू किया गया जिसके तहत बहुत सारे विद्यार्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन करवाया, जिसमें बी.ए.-बी.एड. और बी.एस.सी.-बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) में भी बहुत विद्यार्थियों ने नामांकन करवाया और पढ़ाई के काफी दिनों बाद विद्यार्थियों को ज्ञात हुआ कि बी.ए.-बी.एड. और बी.एस.सी.-बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से मान्यता नहीं मिली है, जिसके फलस्वरूप इस कोर्स में पढ़ने वाले करीब हज़ारों विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है तथा विश्वविद्यालय से इस संबंध में सिर्फ मौखिक आश्वासन ही मिला है। ऐसी परिस्थित में अध्ययनरत विद्यार्थी मानसिक अवसाद के शिकार हो रहे हैं तथा अभिभावक एवं समाज की अपेक्षा को पूरा कर पाने में समर्थ नहीं हो पा रहे हैं। देश में कई शिक्षण संस्थानों की स्थिति इसी तरह की है जैसे इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, कटक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, गुजरात, डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तथा झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र भी इसी तरह की समस्या से जूझ रहे हैं। इस प्रकार की स्थिति से छात्र पशोपेश में हैं एवं उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उपरोक्त सभी संस्थानों में चल रहे पाठ्यक्रमों को मान्यता राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से दी जाये ताकि छात्रों का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI ANANTHKUMAR): Hon. Chairperson Sir, I would like to submit that for the last two weeks, the Members are requesting that there should be a debate on demonetization of currency...(*Interruptions*) the crusade against corruption; crusade against black money and crusade against everything and therefore, I would request you to commence the debate under Rule 193...(*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Please sit down. As the hon. Minister has requested, the debate should start now.

SHRI ANANTHKUMAR: Sir, I would request you to kindly start the debate...(*Interruptions*)